वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 12 | बुधवार 7 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

### राज्यपाल बागडे ने ली कोटपूतली-बहरोड़ जिले की विभागीय समीक्षा बैठक

## अच्छी शिक्षा एवं उत्तम बौद्धिक क्षमता से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी: राज्यपाल

### अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे : बागडे

**बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है।**

**जयपुर. कासं**

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ें। बागडे मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस नीमराना में कोटपूतली-बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। बागडे ने मनरेगा के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाते हुए सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता से कार्य करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन, जोहड़ आदि का निर्माण करते हुए विकास को गति देने को कहा। उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक घर तक नल द्वारा जल पहुंचाने, कम भू- जल स्तर वाले क्षेत्रों में पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने सहित पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। बागडे ने कृषि अधिकारी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभों के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए स्वयं किसानों द्वारा मृदा की जांच करवाने हेतु लैब में सैंपल भिजवाने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनन विभाग, उद्योग विभाग सहित डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ कार्य करने को कहा। बैठक के दौरान जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी प्रदान की।

# कमला नेहरू नगर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

## जैन आचार्य वसुनंदी जी ससंघ का तपती धूप में नित्य हो रहा 25 से 30 किमी पद विहार

### आहार दान से मिलता चारों प्रकार के दान का पुण्य: आचार्य वसुनन्दी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री १०८ वसुनंदी मुनिराज का संघ सहित जिन शासन क्षेत्र अजमेर से तीर्थ क्षेत्र हस्तिनापुर के लिए चल रहे करीब 700 किमी लम्बे पद विहार में मंगलवार को प्रातः गाजे बाजे के साथ कमला नेहरू नगर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर में भव्य जुलूश के साथ मंगल प्रवेश हुआ ।रास्ते में जगह जगह श्रावकों द्वारा पाद प्रक्षालन व आरती की गई। मंदिर जी पर महिलाओं द्वारा सिर पर मंगल कलश लिए स्वागत किया गया तथा मंदिर समिति के अध्यक्ष विजय काला आदि ने पाद प्रक्षालन किया। धर्मजागृति संस्थान प्रान्त राजस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया व राकेश माधोराजपुरा ने बताया कि मंदिर पहुंच कर जुलूश ने धर्म सभा का रूप ले लिया। धर्म जागृति संस्थान के प्रान्तीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व मन्त्री जीतू गंगवाल ने सभी का शाब्दिक स्वागत करते हुए कमला नेहरू समाज के सौभाग्य को सराहा जहाँ आज इतने बड़े संघ का आगमन हुआ है ।इधर मंगलाचरण के बाद आचार्य वसुनंदी जी ने आशीर्वचन में कहा कि पूजा से पुण्य की वृद्धि होती है वही दान से दुर्गति का नाश होता है। दान में आहार दान का विशेष महत्व बताते हुए कहा की आहार दान से चारो प्रकार के दान का पुण्य लाभ मिलता है। आचार्य श्री ने धर्म जागृति संस्थान के पदमपुरा में आयोजित 73 समवशरण महाअर्चना का विशेष उल्लेख करते हुए उपस्थित समाज व उनके परिजनों को बहुत बहुत आशीर्वाद दिया। संघ का इस तपती गर्मी में भी नित्य 25 से 30 किलोमीटर पद विहार निरंतर चल रहा है। सभा का समापन जिनवाणी की स्तुति के साथ हुआ।

## जैन सोशल ग्रुप कैपिटल जयपुर

# शुभारंभ 2025 शपथ ग्रहण: नई सोच नई उमंग सभी की सहभागिता के साथ सम्पन्न

जयपुर

शहर के मानसरोवर स्थित FUN BERG adventur& game zone Park सत्र 2025 - 27 का प्रथम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ दोपहर 3:30 बजे से प्रारंभ मनभावन आकर्षक कलरफुल पारस्परिक वेशभूषा में आए दंपत्ति सदस्यों का रजिस्ट्रेशन काउंटर पर नई टीम द्वारा स्वागत किया। हाई टी पर सभी सदस्यों ने लजीज व्यंजनों का रस वादन किया एंकर निकिता कोका द्वारा नव दंपति सदस्यों का कैटवॉक कराकर ग्रुप पूर्व अध्यक्षो द्वारा भव्य स्वागत एवं परिचय कराया गया। फन वर्ग गेम शो का भरपूर आनंद लिया जिसमें बच्चों एवं दंपत्ति सदस्यों का कौतूहल खुशनुमा वातावरण देखते ही बन रहा था जो सभी को आनंदित कर रहा था । ग्रुप सदस्यों द्वारा एकल नृत्य गायन सामूहिक नृत्य कथक नृत्य एवं पैरोडी की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लियासांयकालीन भोजन के लिए फन वर्ग लॉन मे ग्रुप की परंपरा अनुसार सूर्य की रोशनी मे ही लजीज भोजन का आनंद लिया*अब समय था वर्तमान सत्र की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम का, इस गौरवमयी कार्यक्रम के लिये सभी सदस्य होटल के वातानुकूलित बैंक्वेट हाल मे एकत्रित हुए, अतिथियों के स्वागत,दीप प्रज्वलन मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष द्वारा अपने स्वागत उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए ग्रुप द्वारा

संचालित गतिविधियों का वयोरा रखा गया ग्रुप के नवगठित कार्यकारिणी की शपथ JSGIF के पूर्व अध्यक्ष श्री राकेश जैन,उपाध्यक्ष श्री महेंद्र गिरधरवाल, नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन श्री राजीव पाटनी, इलेक्ट चेयरमैन श्री सुभाष बज सचिव श्री रविंद्र बिलाला व जेएसजी आई.एफ.आई.डी. श्री महेंद्र सिंघवी, श्री संजय जैन की गौरवमयी उपस्थिति मे ग्रुप के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राजकुमार-संतोष काला उपाध्यक्ष श्री विनय-स्नेह सोगानी सचिव श्री प्रमोद-सुनीता जैन संयुक्त सचिव श्री सुधीर-अल्का गोधा कोषाध्यक्ष श्री राकेश-शर्मिला पापड़ीवाल व कार्यकारिणी सदस्यो की शपथ विधि कार्यक्रम शपथ अधिकारी श्री महेंद्र गिरधरवाल के द्वारा सम्पन्न कराया गया इस अवसर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्री अनिल रांवका द्वारा पूर्व सत्र की रिपोर्ट का वाचन किया गया एवं सत्र में प्राप्त सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा निवर्तमान अध्यक्ष (IPP) श्री अनिल प्रेमा रांवका के कार्यकाल का स्मरण करते हुए सभी ने उनका अभिवादन किया। JSGIF के नॉर्दर्न रीजन मे ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्री सुधीर-मंजू गंगवाल के उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने,जेएसजी आई.एफ. उपाध्यक्ष श्री महेंद्र गिरधरवाल द्वारा उनकी भी शपथ विधि संपन्न करवाई गई श्री नवीन जैन के मुख्य जोन कोऑर्डिनेटर पद पर,JSGIF नॉर्दर्न रीजन की संगिनी फोरम के लिए श्रीमती मीना चौधरी को सब कोऑर्डिनेटर पद पर मनोनीत होने के लिए कार्यक्रम मे स्वागत किया गयासत्र 2025-27 के निर्वाचित अध्यक्ष श्री राजकुमार संतोष काला ने अपने प्रथम उद्बोधन में ग्रुप द्वारा सामाजिक धार्मिक एवं रोचक मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे साथ ही विदेश यात्रा धार्मिक यात्रा कर ग्रुप को नई ऊंचाइयां प्रदान करने का अपना विचार रखा एवं सभी से सार्थक सहयोग की इच्छा व्यक्त कीकार्यक्रम अंत में आइसक्रीम एवं बादाम शेक की चुसकियों के साथ विजेताओं एवं ग्रुप सदस्यों की शानदार प्रस्तुतियों के लिए बंपर इनामो से नवाजा गयासमारोह का मंच संचालन श्री सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं श्रीमती मीना चौधरी द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में ग्रुप सचिव प्रमोद सुनीता जैन कार्यक्रम की सफलता के लिए प्राप्त सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आगामी कार्यक्रम तक सभी से विदा ली।

## वेद ज्ञान

### सभ्य समाज में क्षमा दान का विशेष महत्व

किसी की गलती के लिए उसे क्षमा करना बहुत आसान भी है और कठिन भी। आसान इस मायने में कि क्षमादान से मनुष्यों के बीच तमाम द्वेष-द्वंद्व मिट जाते हैं, जबकि यह कार्य कठिन इसलिए है, क्योंकि हर किसी में क्षमा करने का गुण विद्यमान नहीं होता। क्षमा याचना और क्षमा दान से व्यक्ति कमजोर या दुर्बल नहीं होता, बल्कि ऐसा करने से दोनों ही पक्ष अहंकार की अग्नि में जलने से बच जाते हैं और दोनों पक्षों के बीच आत्मीयता पहले की अपेक्षा और ज्यादा प्रकट हो जाती है। सभ्य समाज में क्षमा याचना और क्षमा दान का विशेष महत्व है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमा मनुष्य की मनुष्य के प्रति कृतज्ञता है, इसलिए क्षमा दान को वीरों का आभूषण कहा गया है। इसी तरह क्षमा याचना से मनुष्य का समस्त अहंकार समाप्त हो जाता है। क्षमा याचना के लिए मनुष्य में अपनी गलती, असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है।जैसे-मनुष्य के मुंह से कोई अपशब्द निकल जाए तो वह उसे वापस नहीं ले सकता। मनुष्य के मुंह से निकला अपशब्द धनुष से निकले तीर के समान है, जो सामने वाले के शरीर में घाव करके ही रहेगा। इसलिए जाने-अनजाने में अपशब्द बोलने के उपरांत यदि मनुष्य अपने किए पर शर्मिंदा है तो उसके लिए उसके पास क्षमा याचना के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। क्षमा याचना की सबसे ज्यादा जरूरत व्यक्तिगत जीवन में पड़ती है। असल में प्रत्येक मनुष्य अपने बारे में एक धारणा और विचारधारा बना लेता है और वह उसी के अनुसार व्यवहार करता है।वह मन ही मन यह तय कर लेता है कि लोग उसे किस रूप में देखें, उसके बारे में क्या सोचें और क्या कहें। जब कोई व्यक्ति उसकी स्व-धारणा को ठेस पहुंचाता है तो उसे अप्रिय लगता है।वह यह मानने लगता है कि उसकी स्व-धारणा को आहत करने वाले को उससे क्षमा मांगनी चाहिए। अगर सामने वाला क्षमा मांग लेता है तो उसकी स्व-धारणा पुनः स्थापित हो जाती है वरना वह उस घटना को लंबे समय तक भुला नहीं पाता। ऐसी स्थिति से निकलने का सुझाव देते हुए गुरु गोविंद सिंह जी कहते हैं कि यदि कोई दुर्बल मनुष्य अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना वीरों का काम है, लेकिन अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दंड दो।

## संपादकीय

# हादसों से सबक क्यों नहीं लेता समाज?

धार्मिक स्थलों, आयोजनों, उत्सवों में भीड़ को नियंत्रित न कर पाने, आवागमन का समुचित प्रबंध न होने से अक्सर भगदड़ मचने, दम घुटने आदि से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने, घायल हो जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। यहां तक कि उन्हीं जगहों पर दुबारा वैसे ही हादसे होते देखे जाते हैं। गोवा के एक मंदिर में हुआ हादसा इसका ताजा उदाहरण है। शनिवार को उस मंदिर उत्सव में भगदड़ मचने से छह लोग दब कर मर गए, जबकि सत्तर लोग घायल हो गए। घटना की प्राथमिक जांच से पता चला है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां गली संकरी और रास्ता ढलान वाला था। ढलान पर खड़े कुछ लोग असंतुलित होकर नीचे गिरे, जिससे भगदड़ मची और छह लोग दब कर मर गए। बताया जा रहा है कि उसी जगह ऐसी ही घटना पिछले वर्ष भी हुई थी, मगर गनीमत है कि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लोगों से अपील की थी कि वे आगे न बढ़ें, मगर वे नहीं माने और यह घटना घट गई। हालांकि घटना का असल कारण जांच रपट आने के बाद पता चल पाएगा, मगर प्राथमिक तथ्यों से जाहिर है कि मंदिर प्रबंधन भीड़ पर काबू करने में विफल रहा। वहां चालीस से पचास हजार लोग इकट्ठा हो गए बताए जा रहे हैं। हालांकि यह कोई नया अनुभव नहीं है। ज्यादातर धार्मिक आयोजनों में हुए हादसों के पीछे मुख्य वजह उनके आयोजकों की लापरवाही होती है। कायदे से किसी भी आयोजन से पहले उसकी तैयारियों के बारे में पुलिस को बताना होता है, फिर वह उसी के मुताबिक सुरक्षा इंतजाम करती है। मगर ज्यादातर ऐसे आयोजनों में इसे लेकर लापरवाही बरती जाती है और मान लिया जाता है कि श्रद्धालु स्वयं नियंत्रित व्यवहार करेंगे। पर, ऐसा हो नहीं पाता। अधिकतर मंदिरों, धार्मिक स्थलों के आसपास की जगहें संकरी हैं। जो मंदिर जितना पुराना है, वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए उतनी ही कम जगह देखी जाती है। फिर, उन रास्तों पर फूल-माला-प्रसाद आदि बेचने वाले अपनी दुकानें लगा कर रास्तों को और संकरा बना देते हैं। गोवा के मंदिर में भी यही स्थिति देखी गई। ऐसे में, जब अफरा-तफरी मचती है, किसी वजह से लोग अनियंत्रित होते हैं, तो उसमें लोगों के मारे जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे तथ्य आमतौर पर मंदिर के प्रबंधकों, उत्सव आयोजित करने वालों से छिपे नहीं होते। जब उन्हें पता होता है कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, तो उनके प्रवेश करने और निकलने का समुचित प्रबंध क्यों नहीं किया जाता। हादसे के लिहाज से संवेदनशील जगहों पर स्वयंसेवकों को क्यों खड़ा नहीं किया जाता, जो श्रद्धालुओं को सतर्क रह कर आगे बढ़ने का निर्देश दें।

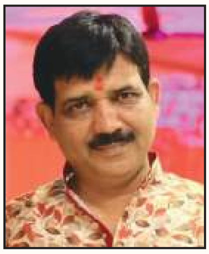

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# घर की चौखट तक असुरक्षित

समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए कई कड़े कानून बनाए गए हैं, जागरूकता कार्यक्रमों के समांतर महिला सशक्तीकरण के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं। मगर आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं तरह-तरह से हिंसा का शिकार हो रही हैं। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और विकास के दावों के बीच ऐसा क्या है जो हमारे समाज में स्त्रियों के प्रति दृष्टिकोण और मानस को मानवीय बना पाने में बाधक बना हुआ है। महिलाओं के खिलाफ घर से बाहर होने वाले अपराध निश्चित रूप से बेहद गंभीर समस्या हैं, लेकिन इससे त्रासद क्या होगा कि आज भी हमारे परिवारों के ढांचे और व्यवहार में ऐसा बदलाव नहीं आ सका है, जो कम से कम घरों की चारदीवारी के भीतर महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। राष्ट्रीय महिला आयोग ने अपनी ताजा रपट में बताया है कि इस वर्ष उसे अब तक सात हजार छह सौ अट्ठानबे शिकायतें मिली हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या घरेलू हिंसा, मारपीट और आपराधिक धमकी की है। सवाल है कि लंबे समय से चलाए जा रहे स्त्री-पुरुष समानता और महिला सशक्तीकरण संबंधी कार्यक्रमों और अभियानों की दिशा क्या रही है कि आज भी बड़ी संख्या में महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है। यह समझना मुश्किल है कि किन्हीं वजहों से पिछड़ गए समुदायों ही नहीं, आमतौर पर पढ़े-लिखे, सुसभ्य कहे जाने वाले लोगों के भीतर भी महिलाओं के खिलाफ अनेक दुराग्रह और संकीर्णताएं क्यों पलती रहती हैं। यह न केवल समाज के स्तर पर एक बड़ी नाकामी का सबूत, बल्कि कानून-व्यवस्था के भी कमजोर होने का सूचक है। समाज में आपराधिक सोच कब हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेती है, यह किसी को पता नहीं चलता। जाहिर है, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगाम लगाने के लिए बने कानूनों को जहां सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है, वहीं सबसे ज्यादा जोर लोगों की सोच में बदलाव पर भी दिया जाना चाहिए, जिसकी वजह से कोई व्यक्ति या उसका परिवार महिला से संवाद करने के बजाय हिंसक रुख अपना लेता है।

# मालवा रंगमंच समिति, म.प्र. का 38वां मालवा कला सम्मान समारोह सम्पन्न

## चिंतन बाकीवाला प्लेबैक सिंगर बॉलीवुड को ''मालवा संगीत पुरस्कार'' से किया सम्मानित

**इंदौर. शाबाश इंडिया**

मालवा की माटी की मिठास और सुरों की सुगंध से भरपूर एक बेहद खास शाम स्थान रवीन्द्र नाट्यगृह, इंदौर में, मालवा रंगमंच समिति द्वारा आयोजित 38 वें मालवा कला सम्मान समारोह में सुप्रसिद्ध गायक बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर चिंतन बाकिवाला ( सी बी रॉकस्टार ) को मालवा संगीत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर साधना सरगम जी के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा ने बताया कि इस अविस्मरणीय अवसर पर चिंतन जी ने ना केवल यह सम्मान प्राप्त किया, बल्कि उन्होंने साधना सरगम जी के साथ मंच साझा कर एक सुंदर युगल प्रस्तुति भी दी, जिसने समूचे सभागार को भावविभोर कर दिया।

यह बात बिल्कुल सत्य है कि चिंतन जी की गायकी में किशोर दा की आत्मा बसती है, और उनकी आवाज में मालवा की खुशबू घुली है, यही कारण है कि उन्हें यह विशिष्ट सम्मान मिला। यह पुरस्कार न केवल उनके संगीत के प्रति समर्पण का प्रतीक है, बल्कि मालवा की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने की एक सुंदर अभिव्यक्ति भी है। कार्यक्रम के अध्यक्षः श्री केशव राय रहे सफल संचालन एवं संयोजनः विष्णु प्रजापत ने शानदार अंदाज में कर आयोजन में चार चांद लगा दिए। आयोजन के मुख्य आयोजक दीपक चौकसे, पवन अग्रवाल, अमित सरडा, कैलाश वैष्णव एवं डॉ. मुकेश भंडारी रहे।

## दुर्लभ चितांमणि रत्न समान बड़े भाग्य से मिला है ये मानव कुलः मुनि श्री विभोरसागर जी महाराज

### आस्रव 108 प्रकार के हैं इनसे मानव को बचना चाहियेः पंडित पारस शास्त्री

**कोटा. शाबाश इंडिया।** पुण्योदय अतिशय क्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी कोटा में परम पूज्य आचार्य भगवन 108 श्री विद्या सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य गुरूदेव निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से आठ दिवसीय पुण्योदय सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर का तृतीय दिवस पर अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने पारस जैन श्पार्श्वमणिश पत्रकार को बताया कि नसियां जी में 108 विभोर सागर जी महाराज व श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के विद्वान पारस शास्त्री व विद्वतजनों ,सौरभ सिद्धार्थ शास्त्री,अभिषेक शास्त्री,दीपांशु शास्त्री, हेमन्त शास्त्री, शुभम शास्त्री, शशांक शास्त्री,रविन्द्र शास्त्री द्वारा बच्चों महिलाओं और पुरुषों को जैन धर्म की शिक्षण से बह रही है धर्म व अध्यात्म की गंगा...समोशरण जैसी लग रही है संत श्री के सानिध्य में नसिया जैन मंदिर 108 परम पूज्य मुनि श्री विभोर सागर जी महाराज ने प्रवचन के माध्यम से बताया कि जैन कुल मिलना बहुत दुर्लभ है, उसमें भी सम्यक अंगोपांग का मिलना, अगर अंगोपांग विकृत होते तो हम सही से धर्म का पालन नहीं कर पाते। पंडित पारस जी शास्त्री ने तत्त्वार्थ सूत्र जी की कक्षा में बताया कि शुभ योग से पुण्य और अशुभ योग से पाप 108 प्रकार के है आस्त्रव का कारण है। इसलिए हमें अशुभ आस्त्रव से बचना चाहिए।

# अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज उत्तराखंड के बद्रीनाथ में विराजमान हैं...

**बद्रीनाथ. शाबाश इंडिया**

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज उत्तराखंड के बद्रीनाथ में विराजमान है आज उभय मासोपवासी साधना महोदधि प.पू. अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज उपाध्याय श्री 108 पियूष सागर जी महाराज आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टापद बद्रीनाथ प्रातः पूजन दीप आराधना हुई संपन्न हुई संपन्न हुआ अभिषेक एवं शांतिधारा श्री दिगम्बर जैन मंदिर जिला चमोली में ससंघ की निर्विंघिन संपन्न हुई आहारचार्य !आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टापद बद्रीनाथ जिला चमोली उत्तराखंड अंतर्मना गुरुभक्त परिवार के द्वारा अष्टद्रव के सहित रूप से संपन्न हुई गुरुपूजन पश्चात बद्रीनाथ से 20 किलोमीटर की दुरी पर स्थिति निखिल पीठ के लिए हुआ मंगलमय पदविहार बद्रीनाथ से पदविहार करते हुए मार्ग के मध्य हुआ आचार्य मुनिराजो का रिमझिम बारिश के मध्य मिलन किया पाद प्रकशळ एवं परिक्रमा निखिल पीठ जिला चमोली उत्तराखंड अलकनंदा नदी के किनारे संपन्न संध्या गुरुभाक्ति प्रवचन मंगल आरती आज 06/05/2025 जिला चमोली उत्तराखंड में आहारचर्या में होंगी वहां उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि ये तीन कार्य व्यर्थ है --सबको खुश करने की कोशिश,बदले का भाव, और गुजरे हुए वक्त में डूबे रहना। संसार स्वार्थ से चलता है आप कुछ भी करो, कुछ भी कहो, ये संसार बिन स्वार्थ के नहीं चल सकता। बेटे चार प्रकार के होते हैं - -पहला पुत्र - एक पिछले जन्म का लेनदार बेटा। उसे आप कितना भी पढ़ाओ, कितना भी लिखाओ, उसे बड़ा करो। उसका विवाह करो और बस चल बसता है।लेन देन पूरा हुआ और चल बसा, तो समझना वो लेनदार पुत्र था।दूसरा पुत्र पिछले जन्म का बेरी भी पुत्र होकर आता है।ऐसा पुत्र कदम कदम पर दुःख देता है, छाती

पर मूंग डालता है, नाक में दम करके रखता है, ऐसा पुत्र - पुत्र के रूप में दुश्मन होता है और पिछले जन्म का पूरा बदला लेता है।तीसरा पुत्र उदासीन पुत्र होता है, ना मित्र होता है ना बैरी होता है, ऐसा पुत्र मां बाप को ना सुख देता है, ना दुःख देता है,, बस कहने का पुत्र होता है, बस कहने का।चौथा पुत्र होता है सेवक पुत्र। पिछले जन्म में आपने किसी की सेवा की और वही आपका पुत्र बनकर आ गया, ऐसा पुत्र सेवा करके सुख देता है। मां बाप की जो - जी जान से सेवा करता है, बुढ़ापे का सहारा बनता ही है। मां-बाप की कीर्ति को भी बढ़ाता है। आप कौन से नंबर के बेटे हैं----?

**-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

# आदिनाथ स्वास्थ्य निधी आश्रम में रहने वाले वृद्ध जनों की सेवा की

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** संगिनी कैपिटल अध्यक्षा अलका जैन ने बताया कि सोश्यल सेवा कार्यों की श्रंखला में संगिनी कैपिटल फोरम व जेएसजी कैपिटल ग्रुप द्वारा जौहरी बाजार महिला समिती द्वारा संचालित आदिनाथ स्वास्थ्य निधी आश्रम में रहने वाले वृद्ध जनों के लिये दोपहर के नाश्ते , ठंडाई व फलों की व्यवस्था की गई। इस पुण्यशाली अवसर पर जेएसजी कैपिटल अध्यक्ष राजकुमार काला,सचिव प्रमोद,संयुक्त सचिव सुधीर गोधा ,कोषाध्यक्ष राकेश पापड़ीवाल, संगिनी अध्यक्षा अलका जैन,सांस्कृतिक सचिव सपना गोदिका ,अंजना जैन, राधा जी , ज्योति गोधा व परी जैन ने उपस्थित होकर भागीदारी निभाई। आदिनाथ स्वास्थ्य निधी की ओर से नीरा गोदिका व सुधा जैन द्वारा आगंतुक जनो का स्वागत व धन्यवाद दिया गया।

# आरोग्य भारती द्वारा राजवंश स्कूल में विद्यालय स्वास्थ्य प्रबोधन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** स्वस्थ जीवन शैली द्वारा अपने आपको कैसे स्वस्थ रखें, इस विषय पर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को आरोग्य भारती जयपुर के आयाम प्रमुख डॉ इन्द्र कुमार जैन के द्वारा विस्तार से बताया गया। राजवंश स्कूल के सभागार में आरोग्य भारती मालवीय भाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्कूल की निदेशक सीता चौहान, प्रधानाचार्य नवल जैन, आरोग्य भारती भाग 2 के अध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार, सचिव डॉ प्रेमलता, डॉ विक्रम यदुवंशी, डॉ अंकित गर्ग, संदीप पालीवाल एवं विद्यालय के शिक्षक गण उपस्थित रहे। डॉ जैन द्वारा आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, व्यायाम आदि के द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर विस्तृत विवेचना द्वारा छात्रों को अवगत कराया गया। प्राचार्य नवल जैन द्वारा कार्यशाला के लिए आरोग्य भारती का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अंत मे डॉ कृष्ण कुमार एवं डॉ विक्रम यदुवंशी ने स्कूल प्रशासन एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया।

## श्री विमल जी पाटनी एवं श्रीमती संजू पाटनी

मंत्री दिगंबर जैन महासमिति निवाई को विवाह वर्षगांठ की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्षः शुकुंतला बिंदायक्या
मंत्रीः सुनीता गंगवाल
कोषाध्यक्षः उर्मिला जैन

एवम समस्त दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल

# जीवन के भोगे हुए एक सौ तेईस क्षणों की सनद है स्त्री और प्रेम: मृगेंद्र राय

## नफरत के वातावरण में प्रेम की चमक दिखाने वाली पुस्तक है स्त्री और प्रेम : हूबनाथ पाण्डेय

**मुंबई. शाबाश इंडिया।** यूनिवर्सिटी मुंबई विद्यापीठ,जे पी नाईक भवन,वाद्या नगरी परिसर, कलीना में रविवार 4 मई को चर्चित काव्य संग्रह स्त्री और प्रेम पर विमर्श आयोजित किया गया। स्त्री और प्रेम क्षणिका संग्रह की कवयित्री डॉ नीलिमा पाण्डेय हैं।यह विमर्श कई मायनों में सार्थक सिद्ध हुआ, विमर्श में प्रस्तावना देने वाले विद्वान प्रोफेसर हूबनाथ पाण्डेय ने संचालिका आमना आजमी को कार्यक्रम की बागडोर सौंपी तथा आमना ने एक के बाद एक रचनाकारों को आमंत्रित किया, सबसे पहले पुस्तक से काव्य पाठ के लिए ओज कवि लक्ष्मी कांत कमल नयन को आमंत्रित किया कविता पढ़ने के दौरान लक्ष्मी कांत कमल नयन ने कहा कि वे इस पुस्तक के प्रत्येक क्षणिका पर घंटों बोल सकते हैं उसके बाद नीतू पाण्डेय 'क्रांति' ने भावनात्मक ढंग से काव्य पाठ किया और उल्लेखनीय ग्रामीण शब्दों की सराहना की, कविता पटेल, डॉ सुशीला तिवारी,कमल किशोर कमल ने क्षणिकाएं पढ़ी तत्पश्चात सभागार में प्रबुद्ध वक्तव्यदायकों को बुलाया गया जिसमें सबसे पहले विद्यार्थी सर्वेश यादव ने बताया कि यद्यपि वे हिंदी विषय के विद्यार्थी हैं किन्तु क्षणिका यह शब्द और विधा उनके लिए बिल्कुल नई है व्हाटसएप स्टेटस की तरह की ये छोटी छोटी रचनाएं भीतर तक बेध देतीं हैं युवा पीढ़ी के लिए यह प्रेरक पुस्तक है उसके बाद प्रोफेसर उषा मधु को बुलाया गया उषा मधु ने कवियित्री के व्यक्तित्व को गहराई से बताया चूंकि उषाजी कवियित्री की सहपाठी रह चुकीं हैं तो पुस्तक से इतर व्यक्तिगत बातों को भी साझा किया उन्होंने ने सशक्त रूप से अपना वक्तव्य दिया तत्पश्चात खालसा कॉलेज के विद्वान प्रोफेसर डॉ मृगेंद्र राय ने पुस्तक के सूक्ष्म संवेदनात्मक क्षणिकाओं के साथ ही विरोधाभासी क्षणिकाओं का भी उल्लेख किया, मृगेंद्र ने कवयित्री को बधाई देते हुए कहा कि यह कविता के क्षेत्र में एक सशक्त पुस्तक है। प्रसिद्ध शायर तथा उर्दू भाषा के प्रोफेसर उबैद आजम आजमी का प्रभावी वक्तव्य सभागार के प्रत्येक व्यक्ति की ऑखें नम कर गया उबैद जी ने प्रत्येक क्षणिका का मंथन किया तथा पांच पृष्ठ का वक्तव्य लिखकर घंटों बोलने की तैयारी में थे समयाभाव के कारण उन्होंने आधा वक्तव्य ही सुनाया, वक्तव्य के दौरान उनका गला रूंध गया जिसके कारण उन्होंने बीच में ही विराम ले लिया, डॉ नीलिमा पाण्डेय ने अपने मनोगत में अपने पिता,माता पारिवारिक परिवेश को याद करते हुए पुस्तक प्रकाशक पंकज चतुर्वेदी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए प्रवासी प्रेम पब्लिशिंग इंडिया की भूरि भूरि सराहना की, कवयित्री के आग्रह पर प्रोफेसर हूबनाथ पाण्डेय ने अपने दो शब्द कहे।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

**सम्पादक: राकेश जैन गोदिका**
**@ 94140 78380, 92140 78380**

**दैनिक ई-पेपर**
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

# महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के नरेंद्र सेठी बने अध्यक्ष

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के द्विवार्षिक चुनावों में विजयी कार्यकारिणी सदस्यों ने नरेंद्र सेठी को सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना। अनिल रांका को मंत्री चुना गया। चुनाव अधिकारी अनिल जैन आई पी एस रिटायर्ड ने बताया कि कार्यकारिणी के चुनाव में प्रसन्न गोलेछा की संपूर्ण टीम नरेंद्र कुमार सेठी, प्रसन्न गोलेछा, सुभाष गोलेछा, अशोक राका , मंजू पालावत, सुशीला गोलेछा, ताराचंद कानूनगो, प्रमिला कुमारी जैन, महेंद्र कुमार चोपडा, संतोष भंसाली, सुरेश चंद कोठारी, नरेंद्र श्रीमाल, शरद काकरिया, विजय हिंगड को विजयी हुए तथा सुरेश जैन एवं आर एस जैन को मनोनीत कार्यकारिणी सदस्य बने।

# बधिर विद्यालय के 100 दिव्यांग बच्चों को मिष्ठान युक्त भोजन की सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

**अजमेर।** श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की वैशाली नगर इकाई द्वारा समिति सदस्य सुषमा त्रिलोक जैन के सहयोग से वैशाली नगर में स्थापित बधिर विद्यालय के 100 से अधिक दिवांगजनो को मिष्ठान युक्त स्वादिष्ट भोजन कराया गया। वैशाली नगर इकाई की अध्यक्ष शांता काला ने बताया कि समिति सदस्य सुषमा त्रिलोक जैन के पुत्र विनम्र जैन के जन्मदिन को सादगी से मनाते हुए स्पेशल बच्चो को सेवा देकर पुण्य का अर्जन किया गया राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने सेवा सहयोगी परिवार के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि यह सेवा सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई। इस अवसर पर इकाई मंत्री अल्पा जैन, सुषमा छाबडा, कांता छाबडा,सुधा गोधा, निधि बोहरा,स्वीटी जैन, आशा कासलीवाल, अनामिका सुरलाया, इन्द्रा गदिया,मंजु बाकलीवाल, पलक जैन उपस्थित ने अपने हाथों से दिव्यागजनों को भोजन करा के पुण्य का अर्जन किया।

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के दो सदस्यों ने वैवाहिक वर्षगांठ धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि'-डां.शान्ति जैन 'मणि' की वैवाहिक वर्षगांठ धार्मिक रुप में मनाई गई। सबसे पहले चन्द्र

प्रभ दिगम्बर जैन मंदिरजी दुर्गापुरा में भगवान चन्द्र प्रभ जी के प्रथम अभिषेक एवं शान्तिधारा से हुई। यह कार्य ग्रुप अध्यक्ष डां मणि व उनके सुपुत्र डां मनीष ने चांदी की नई झारियों से किया ओर उन्हें मन्दिरजी में भेंट कर दिया। बाद में डां शान्ति जैन मणि ने मंदिरजी में मण्डल पर चन्द्र प्रभ विधान का आयोजन किया जो पंडित दीपक शास्त्री के निर्देशन व उनकी मधुर वाणी से सम्पन्न हुआ ।इस विधान में डां मणि दम्पति के अलावा श्री प्रकाश चन्द्र-प्रेमदेवी निमोडिया,पारसजी-आशाजी पाटनी व अजितजी-शशि तोतूका,नमोकार किट्टी ग्रुप की महिलाओ व अन्य श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। विधान में आरती के बाद सभी सदस्यों को जलपान कराया। बाद में अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जी के दर्शन करने गये। 5 मई को तीर्थंकर ग्रुप के उपलक्ष्य रमेश-सुमति की 70वीं वैवाहिक वर्षगांठ अतिशय क्षेत्र चाकसू धाम में मनाई गई। रमेशजी व उनके सुपुत्र यशकमल अजमेरा ने अभिषेक व शान्तिधारा की तथा विधान किया। ग्रुप के सदस्यों ने सभी को बधाई दी।

# नवनिर्मित श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र की सोनीनगर मन्दिर कमेटी व श्री दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारियो ने की वंदना

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। मंगलवार को जैन नगर नाका मदार स्थित नवनिर्मित श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र हेतु सोनीनगर जैन मन्दिर के सदस्यों का दल व श्री दिगम्बर जैन महासमिति के पदाधिकारियों द्वारा दर्शनार्थ एवं वंदना की गई। डॉ. राजकुमार गोधा व श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि सभी सदस्यो ने 58 फुट 1008 श्री शान्तिनाथ भगवान के सामूहिक रूप से मंत्रोचारण के साथ महामस्तकाभिषेक किये ततपश्चात श्री शान्तिनाथ भगवान की पूजन डॉ. राजकुमार गोधा के निर्देशन में सम्पन्न हुई। प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि नवनिर्मित तीर्थ का पंचकल्याणक आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में दिनांक 20 से 25 अप्रेल के मध्य सानंद पूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें 58 फुट की विश्व की सबसे बडी खडगासन श्री शान्तिनाथ भगवान मूर्ति सहित 24 भगवान के जिनालय शिखर, ध्वज, कलश व सहस्त्रकूट जिनालय समवशरण जिनालय सहित है जो देखने में अतिसुन्दर रचना है के भक्ति भावपूर्वक दर्शन किये। सभी ने निर्णय लिया कि राजस्थान के अन्य तीर्थो की वंदना भी आगामी सत्र में सामूहिक रूप से करेंगें। महामस्तकाभिषेक व पूजन करने वालो में डॉ. राजकुमार गोधा, संजय कुमार जैन, कमल गंगवाल, मनोज जैन, महावीर जैन, निर्मल गंगवाल, निर्मल गदिया, सुनील कुमार जैन, पवन गोधा, श्याम बडजात्या, विमल जैन, विजय पांडया, देवर्ष गंगवाल, मनोज कासलीवाल, दीपक दोसी, प्रतिष्ठाचार्य कुमुदचंद सोनी प्रदीप बडजात्या, प्रकाश पल्लीवाल, डॉ. सुदीप सोनी, पिंकी जैन, सरिता जैन, रूबी जैन, मोना जैन, उर्मिला सोनी, मंजू गंगवाल, प्रमिला जैन, मुन्नीदेवी गदिया, सुनीता जैन आदि थे।

# स्वास्थ्य केंद्र पर वाटर कूलर भेट

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

हतुंडी ।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हतुंडी पर ग्राम पंचायत प्रशासक रीना गर्वा के द्वारा गर्मी को देखते हुए मरीजों के लिए पीने के ठंडे पानी हेतु वाटर कूलर भेट किया गया ! जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भीषण गर्मी में किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना ना करना पड़े ! चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ नरेंद्र पाल सिंघल ने ग्राम पंचायत के द्वारा किए हुए कार्य को सहरानीय बताया और जनप्रतिनिधि और भामाशाह से आग्रह किया जरूरतमंद लोगो की मदद करने के आगे आए जिससे चिकित्सा विभाग बढ़ती हुई गर्मी और लू ताप जैसी स्थितियों से निपट सके और लू ताप से बचाव हेतु जानकारी दी। इस मौके पर शिवराज सिंह वीडीओ, कुलदीप सिंह समाजसेवी, पंचायत सदस्य सबीर खान और अस्पताल कर्मचारी जितेंद्र , शानू , गर्विता, पार्वती आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

# श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में भव्य वेदी प्रतिष्ठा का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरुण पथ, मानसरोवर जयपुर में दिनांक 6 से 8 मई 2025 तक भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एम पी जैन ने बताया कि सर्वांग भूषण आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज जी के आशीर्वाद एवं सानिध्य में ब्रह्मचारी चीकू भैया के द्वारा आज मन्दिर जी प्रांगण में भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ विशाल घठ यात्रा से किया गया जिसमें सैकड़ो महिलाओं ने सर पर मंगल कलश लेकर इस घठ यात्रा में भजन गाते एवं नाचते हुए शामिल हुई। यह घटयात्रा बैंड बाजों के साथ वरुण पथ से मध्यम मार्ग ,स्वर्ण पथ, नीलम पथ होते हुए श्री वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर जी पहुंची। मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया

कि बुधवार 7 मई को श्री सर्वांग भूषण आचार्य चेत्य सागर जी महाराज का सुबह 7 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा। संगठन मंत्री विनेश सोगानी ने बताया कि बताया कि सभी प्रतिष्ठित जिन प्रतिमाओ को विशाल जूलुस के साथ नगर में भ्रमण कराया जाएगा। तपश्चात परम पूज्य आचार्य श्री जी के सानिध्य में श्री जी को वेदीयो में विराजमान किया जाएगा। प्रचार संयोजक जिनेश कुमार जैन ने बताया कि समाज श्रेष्टि राजेंद्र-सुनिता, निमित्त जैन कासलीवाल परिवार ने झंडारोहन किया। ऋम रत्न चौबीसी वेदी के पुण्यार्जक एवं सोधर्म इंद्र फूलचंद, संजय -उषा, जैनिश- अनुभा छाबड़ा परिवार ने एवं नंदीश्वर दीप वेदी सुशीला, रूशील - अलंकृता, पूजा-हितेंद्र, लवलीना-पीयूष पाटनी, मालविका-असीम गोड जैन टोंग्या परिवार ने व समस्त महिला मंडल एवं पुरे समाज कि महिलाओं ने वेदी शुद्धि की एवं समस्त 108 इंद्र इंद्राणियो ने याग मंडल विधान की पूजा की। महिला मंडल की अध्यक्षा सुशीला टोंग्या एवं मंत्री हिमानी जैन ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी गण राजेंद्र सोनी, केलाश सेठी, मुकेश कासलीवाल, बीरेश जैन टी टी, अनिल जैन सोठा, अरविंद गंगवाल, नरेंद्र कासलीवाल, राकेश चादंवाड, अनिल दीवान, ताराचंद वैद, सुरेश जैन बांदीकुई, पदमचंद जैन भरतपुर,अजीत जैन , सतीश कासलीवाल, गिरीश जैन, कमल गोदिका, विमल बाकलीवाल, निर्मल शाह, संतोष कासलीवाल, गुलराज बोहरा, सचिन जैन एवं विशेष समाज सेष्टियो सहित बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालु मौजूद रहे।

**प्रचार संयोजक,**
**जिनेश कुमार जैन**

# रेड क्रॉस सेवा के साथ अपने अंदर की करूणा को प्रकट करें: कलेक्टर आदित्य सिंह

## रेड क्रॉस सेवा सप्ताह में होंगे विभिन्न आयोजन: डा दीपक मिश्रा

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया**

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का सेवा का अपना इतिहास रहा है सेवा के साथ हमारे अंदर करूणा भाव का होना बहुत जरूरी है हम मनीविय पक्ष को देखे जहां जैसी जरूरत हो हम उसे पूरा करेंगे जैसा कि मुझे वाताया गया सभी साथी विभिन्न सेवा संस्थानो के माध्यम से अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हैं हम रेड क्रॉस के माध्यम से सेवा सप्ताह क्या पूरे वर्ष भर कार्य करें जहां मेरी जरूरत लगे हम उपल्ब्ध रहेंगे अभी अभी पिछले पखवाड़े में यहां ज्यान किया सेवा के क्षेत्र में रेड क्रॉस को कुछ अलग हटकर करना है इसमें आप सभी की मुख्य भूमिका होना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार कलेक्ट्रेरेट सभागार में रेडक्रास सोसायटी की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने व्यक्त किए।

## कलेक्टर महोदय ने रेडक्रास से परिचय के साथ किया सम्मान

इसके पहले रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ दीपक मिश्रा ने रेडक्रास कार्यकारिणी का परिचय कराया इसके बाद

जिलाधीश महोदय श्रीमान आदित्य सिंह का स्वागत सम्मान किया गया बैठक में चेयरमेन दीपक मिश्रा द्वारा सभी सदस्यों का परिचय कराया गया जिलाधीश महोदय कासम्मान सोसाइटी के प्रदेश प्रतिनिधि डॉक्टर जय मंडल सिंह यादव, संजय रघुवंशी, राजीव जाट, वाइस चेयरमैन डां हरवीर रघुवंशी कोषाध्यक्ष विपिन सिघंई नारायण प्रसाद शर्मा हरबंस जुनेजा विजय जैन धुर्र दिनेश जैन रामकुमार चौधरी विकास जैन बल्ली वेदराम लोधी अशोक जी शर्मा महेश जी शर्मा बालचंद जी नरवरिया डॉ राजकुमार शर्मा डॉक्टर आनंद मोहन दुबे रामकुमार ओझा आदि प्रमुख उपस्थित जनों ने स्मृति चिन्ह पट्टिका एवं माला द्वारा सभी ने सम्मान किया।

# जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने परिंडे वितरण किए

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सामाजिक कार्यक्रम की श्रंखला में दिनांक 6 May 2025 को प्रिंस सोगानी पुत्र सुनिल सोगानी के जन्मदिवस के उपलक्ष में वर्धमान सरोवर जैन मंदिर पर पक्षियों के लिए परिंडे वितरण किये गये। मुख्य संयोजक पदम कुमार सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, अध्यक्ष सुनिल सोगानी, सुनिल बड़जात्या, महावीर सोगानी , संयम जैन प्रिंस जैन मुनिया सोगानी, बबिता जैन, प्रमिला जैन, एवं समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।